दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Module – 3)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/19 (N-M)–M–**GS13**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: SUNIL

Mobile Number:

Medium (English/Hindi): HINDI

Reg. Number: AWAKE-19/B-013

Center & Date: DELHI 13/08/19

UPSC Roll No. ***(If allotted)*:** 7105724

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
There are ***TWENTY*** *questions printed both in* ***HINDI*** *and in* ***ENGLISH.***
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

1. प्राचीन एवं मध्ययुगीन भारत में विद्यमान अधिकांश कला एवं वास्तुकला के अवशेष अभी भी शेष हैं जो कि प्रकृति में धार्मिक हैं। परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Most of the art and architectural remains that survive from ancient and medieval India are religious in nature. Examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्राचीन एवं मध्ययुगीन भारत में कला को प्रेरित करने वाले विभिन्न तत्वों - राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक में से धार्मिक कारक की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण रही है।

साक्ष्य -

(i) स्तंभकला = स्तंभों पर हिन्दू, जैन, बौद्ध धर्मों के प्रतीकों, चिन्हों को उकेरा जाना जैसे हाथी, कमल आदि।

(ii) स्तूपकला = बौद्ध धर्म से जुड़ी एक स्थापत्य संरचना।
बुद्ध के महापरिनिर्वाण, ब्रह्माण्ड के केन्द्र के रूप में पूजनीय।
जैसे अशोक निर्मित स्तूप।
शुंग शासकों के स्तूप।

(iii) मंदिर = हिन्दू, बौद्ध मंदिर (नालंदा), जैन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मंदिर
जैसे तिगवाँ (जबलपुर)
दशावतार (झाँसी)

(iv) मूर्ति कला = देवी-देवताओं की मूर्तियों का निर्माण

(v) चित्रकला = बौद्ध धर्म की जातक कथाओं, बुद्ध के चित्र, हिन्दू देवी-देवताओं के चित्र आदि।

(vi) अमूर्त कला = धार्मिक विचार
दर्शन
मान्यताएँ
मानदंड आदि।

धर्म निरपेक्ष कला -

(i) नगर स्थापत्य व इमारतें।
(ii) गैर धार्मिक चित्र। जैसे पशु-पक्षियों का अंकन।
(iii) गैर धार्मिक साहित्य। जैसे संगम साहित्य, वैज्ञानिक साहित्य आदि।

सारांशतः धार्मिक कला के साथ धर्मनिरपेक्ष कला के भी अवशेष मिलते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. चोलकालीन कांस्य प्रतिमाओं को सर्वाधिक परिष्कृत माना जाता है। पुष्टि कीजिये। (150 शब्द) 10

Chola bronze sculptures are considered as the most elegant. Substantiate. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

दक्षिण भारत के स्वर्णकाल - चोल काल की सांस्कृतिक उपलब्धियाँ - मंदिर, मूर्ति, चित्र, साहित्य, धर्म आदि अप्रतिम है। इसी का एक पक्ष कांस्य प्रतिमाएँ है।

चोलकालीन कांस्य प्रतिमाएँ -

i) पंचधातु (तांबा, सोना, चाँदी, सीसा, टिन) का प्रयोग।

ii) विभिन्न धार्मिक मूर्तियों का निर्माण जैसे ब्रह्मा, विष्णु, दुर्गा आदि।

iii) सर्वाधिक प्रसिद्ध - चोल नटराज।

iv) मूर्तियों का अंग-विन्यास अत्यंत सुदृढ है।

v) पॉलिश का कार्य भी उन्नत तकनीकी विकास को दर्शाता है।

vi) मूर्तियाँ ऐन्द्रिक विषयवस्तु की ओर ~~ऐन्द्रिक~~ संकेत करती हुई निर्मित की गई है। जैसे शिव की तांडव नृत्य मूर्ति।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(viii) चोल नटराज कांस्य मूर्ति की विशेषताएँ -

a. अग्नितत्त्व।

b. अपस्मार / मुयालका जो कि अज्ञानता का प्रतीक है।

c. शिव के पदाघात।

d. एक पैर पर खड़े शिव का अंकन।

e. तांडव नृत्य।

f. वरद मुद्रा

इस काल में चालुक्य तथा पाल शासकों द्वारा भी धातु मूर्तियों का निर्माण किया गया। परंतु चोलकालीन कांस्य मूर्तियाँ उनसे धातु मिश्रण, सहज भाव इत्यादि क्षेत्रों में परिष्कृत पाई गई है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

3. आधुनिक भारत के निर्माण में ईश्वरचंद्र विद्यासागर के योगदान की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the contributions of Ishwar Chandra Vidyasagar in the making of modern India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ईश्वरचन्द्र विद्यासागर = भारत में 19th CE के प्रबुद्ध विचारक।

, जन्म = कोलकाता।

· अगाध पांडित्य के कारण संस्कृत कॉलेज से इन्हें विद्यासागर की उपाधि दी गई।

योगदान -

(i) 1856 में विधवा पुनर्विवाह कानून निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे सती प्रथा रोक (1829) से उत्पन्न समस्या को कानूनी समाधान मिला।

(ii) J.E.D. बेथुन के साथ मिलकर आधुनिक शिक्षा प्रसार के लिए बेथुन कॉलेज की स्थापना की।

(iii) बंगाली भाषा व लिपि को मानकीकृत किया। अनेक संस्कृत ग्रंथों; उपनिषदों, गीता आदि का

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बंगाली में अनुवाद करके न केवल सांस्कृतिक संश्लेषण को बढ़ाया, बल्कि भारत के प्राचीन समृद्ध साहित्य को भी जनता के समक्ष रखा।

(iv) पुस्तक - बहुविवाह व पत्र - सोमप्रकाश द्वारा सामाजिक सुधार कार्यों को गति दी।

(v) जाति प्रथा, धार्मिक कर्मकांड, सतीप्रथा, अस्पृश्यता आदि का विरोध कर सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन को आगे बढ़ाया।

(vi) उन्होंने राजनीतिक क्षेत्र में अंग्रेजी शोषण के विरोध, सिविल सेवा के भारतीयकरण का भी समर्थन किया।

उपरोक्त संदर्भ में ईश्वरचन्द्र विद्यासागर आधुनिक भारत के निर्माण में महत्ती भूमिका का निर्वहन करते प्रतीत होते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के निर्माण को स्पष्ट कीजिये। बंगाल की खाड़ी चक्रवातों के लिये अधिक प्रवण क्यों है? विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain the formation of tropical cyclones. Discuss why the Bay of Bengal is more prone to cyclones? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

चक्रवात = निम्न वायुदाब का एक केंद्र, जिसके चारों ओर उच्च वायुदाब हो तथा वायु तेजी से बाहर → अंदर की तरफ गति करे।

दिशा = उत्तरी गोलार्द्ध = Anti clockwise
दक्षिणी गोलार्द्ध = clockwise

उष्णकटिबंधीय चक्रवात -

(i) भूमध्यरेखा के दोनों ओर 10°-30° अक्षांश के क्षेत्र में उत्पन्न।

(ii) व्यापारिक पवनों के कारण दिशा पूर्व → पश्चिम।

(iii) इनके केंद्र में एक आँख होती है।

(iv) ताप जनित।

(v) घनत्व अंतर, वाताग्र जैसे कारकों का अभाव।

निर्माण हेतु दशाएँ -

a. समुद्री सतह का तापमान 27°C से अधिक हो

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

b. सतह पर वायु का तीव्र अभिसरण।

c. ऊँचाई पर वायु का तीव्र अपसरण।

d. कोरियोलिस बल की उपस्थिति।

e. जेट स्ट्रीम न हो।

f. पहले से निर्मित निम्न वायुदाब का क्षेत्र।

इन चक्रवातों को अमेरिका में हरीकेन, आस्ट्रेलिया में विली-विली कहा जाता है।

उदाहरण = फेनी (भारत)।

बंगाल की खाड़ी में अधिक चक्रवात क्यों

(i) तापमान अपेक्षाकृत अधिक।

(ii) चक्रवात की दिशा Anticlockwise होने के कारण चक्रवातों का तट की ओर आना।

(iii) प्रशांत महासागरीय चक्रवातों का प्रेरक प्रभाव।

(iv) अपेक्षाकृत अधिक लवणता।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. भारत जैसे देश में विभिन्न समय-क्षेत्रों (टाइम ज़ोन) का मुद्दा सामने आता रहता है। इस संदर्भ में भारत के विभिन्न समय-क्षेत्रों की व्यवहार्यता का परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

The issue of multiple time-zones for a country like India keeps resurfacing. In this context, examine the feasibility of multiple time zones in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

समयक्षेत्र = मानक समय देशांतर रेखा, जिसके सापेक्ष उस क्षेत्र / प्रदेश का समय निर्धारित किया जाता है।
वर्तमान में - फ्रांस : 12 समयक्षेत्र
रूस : 11 समयक्षेत्र

भारत क्षेत्रफल की दृष्टि से दूसरा ऐसा बड़ा देश है, जिसका एक ही समयक्षेत्र है (82.5° पूर्वी देशांतर)।

हालिया संदर्भ = पूर्वोत्तर क्षेत्र हेतु पृथक् समयक्षेत्र की माँग।
विभिन्न संस्थानों द्वारा इस पर व्यापक विचार।

भारत में एकाधिक समयक्षेत्र की व्यवहार्यता -

लाभ - (i) सूर्यातप का अधिकतम प्रयोग संभव।
(ii) मानव कार्य क्षमता में वृद्धि।
(iii) ऊर्जा का न्यूनतम उपभोग से कार्बन फुटप्रिंट में कमी आएगी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iv) स्वतंत्रता पूर्व भारत में 3 time zones थे।

(v) वर्तमान में भी बंगाल में चाय बागानों के लिए पृथक् time-zone है।

(vi) संसाधनों की बचत संभव → लागत में कमी आएगी।

इसी संदर्भ में 89.52' पूर्वी देशांतर (WB- असम सीमा) को नया time zone बनाने का पर विचार चल रहा है।

सीमाएँ - (i) बैंकिंग सेक्टर को timing में समस्या।

(ii) रेलवे दुर्घटनाओं की आशंका।

(iii) प्रशासनिक जटिलता में वृद्धि।

(iv) पूर्वोत्तर के पृथकतावाद को बल मिलेगा।

~~तथा~~ वस्तुत: अलग ~~→~~ से time zones के लाभ- नुकसान को आनुपातिकत: ध्यान में रखकर इस पर निर्णय लिया जाना चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. सूखे तथा बाढ़ की दोहरी समस्या का समाधान नदियों को जोड़ना है। सरकार की राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना के संदर्भ में विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Interlinking of rivers solves the twin problems of drought and flood. Analyse in the context of government's National River Linking Project. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना - प्रारंभिक प्रस्ताव राम मनोहर लोहिया आदि विचारकों द्वारा 1970's में प्रस्तावित।

• वर्तमान में 16 हिमालयी व 25 प्रायद्वीपीय नदियों को जोड़ने का प्रस्ताव विचाराधीन।

• उदाहरण: केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट।
चंबल-कालीसिंध-पार्वती।
पार तापी-नर्मदा प्रोजेक्ट।

लाभ -

(1) सूखे का समाधान -

a. एक नदी के जल को जलविहीन / कम मात्रा में जल ले जाने वाली नदी में डालने से उस क्षेत्र में जलाभाव से निपटने में मदद। जैसे गोदावरी का पानी कृष्णा में [मराठवाड़ा क्षेत्र को लाभ]।

b. भूजल स्तर में सुधार होगा।

c. वनीकरण को बढ़ावा → वर्षा की संभावना बढ़ेगी।

d. जल उपलब्धता में वृद्धि → भूजल दोहन कम होगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(2) बाढ़ समस्या निदान –

a. अतिरिक्त जल का इसी नदी में स्थानांतरण → बाढ़ ग्रस्त इलाके में भारी कमी आएगी। जैसे कोसी, दामोदर आदि नदियों का क्षेत्र।

b. अतिरिक्त जल स्थानांतरण → नदी विसर्प (मियांडरिंग) की घटनाएँ भी कम होंगी।

c. शहरी क्षेत्र में आने वाली 'फ्लैश फ्लड' के प्रभाव को भी सीमित किया जा सकेगा।

सीमाएँ –

(i) नदी जल का राज्य सूची में होना → राज्यों के बीच सहमति का अभाव।

(ii) नदी जल विवाद।

(iii) मात्रा निर्धारण, लागत की समस्या।

प्रयास –

(i) नदी बेसिन विकास कार्यक्रम के दृष्टिकोण को अपनाया जाना, ताकि नदी के ~~संपूर्ण~~ संपूर्ण बहाव क्षेत्र का एकीकृत विकास किया जा सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. 1857 के विद्रोह के बाद भारत के प्रशासन में विशेषतः प्रांतीय प्रशासन, स्थानीय निकायों एवं लोक सेवाओं के क्षेत्र में कौन-से प्रमुख परिवर्तन किये गए थे? (150 शब्द) 10

What were the prominent changes made in the administration of India after the Revolt of 1857 especially in the fields of provincial administration, local bodies and public services? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1857 का विद्रोह भले ही अपने घोषित लक्ष्य में सफल नहीं हो पाया, किंतु इसके प्रभावों को विद्रोह पश्चात ब्रिटिश सरकार द्वारा भारतीय प्रशासन, सेना, वित्त आदि में किए गए परिवर्तनों से महसूस किया जा सकता है।

विभिन्न परिवर्तन -

(1) प्रांतीय प्रशासन = a. 1861 के भारत शासन अधिनियम द्वारा प्रांतों की स्वायत्तता में वृद्धि की गई। जैसे अपने लिए कानून बनाने के अधिकार को पुनः बहाल करना।

b. मैसूर आदि क्षेत्रों को पुनः स्वतंत्रता दी गई। (1831 में विलय कर दिया गया था।)

(2) स्थानीय निकाय = a. स्थानीय

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

निकायों को कुछ शक्तियाँ देने का दृष्टिकोण। ताकि:

- ब्रिटिश शासन वैधता को मजबूत किया जा सके।
- निम्न स्तरीय प्रशासन में भारतीय नेताओं को शामिल करके विद्रोह को कम किया जा सके।

b. प्रयास - मेयो का वित्तीय विकेन्द्रीकरण का प्रयास (1870's)

- रिपन के प्रयास।

(3) लोक सेवा में

a. 1861 में ICS का गठन।

b. लोकसेवा में भारतीयों का प्रवेश। प्रथम भारतीय ICS = सत्येन्द्रनाथ टैगोर (1864)।

c. प्रतियोगिता आधार पर भर्ती पहले की तुलना में मजबूत व व्यापक हुई।

वस्तुत: उपरोक्त परिवर्तन ब्रिटिश औपनिवेशिक हित पूर्ति को ध्यान में रखकर किए गए थे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

8. उपनिवेशवाद के संदर्भ में, पश्चिमी शक्तियों द्वारा एशियाई तथा अफ्रीकी देशों पर आसानी से प्रभुत्व स्थापित करने के पीछे के कारणों को उल्लेखित कीजिये। (150 शब्द) 10

In the context of colonialism, bring out the reasons behind easy domination of Asian and African countries by the Western powers. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उपनिवेशवाद = आधुनिक काल की एक घटना जिसमें एक लोग अपनी राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक स्वतंत्रता की स्थिति खो देता है तथा आधिपत्य स्थापित करने वाली शक्ति के लिए कच्चे माल व पूँजी निवेश, बाजार / निर्मित माल के बाजार हेतु कार्य करने लग जाता है।

पाश्चात्य शक्तियों द्वारा प्रभुत्व -

ब्रिटेन = दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, भारत।
फ्रांस = वियतनाम, मोरक्को।
जर्मनी = टोगोलैण्ड।
पुर्तगाल = अंगोला, मोजांबिक।
डच = इंडोनेशिया।
USA = फिलीपिंस आदि।

प्रभुत्व स्थापित करने के पीछे कारण

(i) एशियाई तथा अफ्रीकी देशों में राजनीतिक विघटन की स्थिति। एकीकरण का अभाव। जैसे

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत में मुगल साम्राज्य की पतनोन्मुख अवस्था, क्षेत्रीय शक्तियों के आपसी संघर्ष।

(ii) आर्थिक पिछड़ापन।
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की ओर ध्यान न दिया जाना।

(iii) सांस्कृतिक पिछड़ापन।
बाहरी दुनिया से कटाव।

(iv) सैन्य दुर्बलताएँ।

(v) कमजोर तकनीकी विकास।

(vi) वृहद् साम्राज्यों के बीच एकीकृत दृष्टि का अभाव। जैसे चीनी, भारतीय व सफवी साम्राज्य।

(vii) यूरोप में पुनर्जागरण → भौगोलिक खोजों को बल।

(viii) नए सामाजिक वर्ग का उदय।

(ix) आर्थिक संरक्षणवाद व राष्ट्रवाद की नीति।

(x) राज्य शक्ति द्वारा समर्थन।
चार्टर्ड कंपनियों की महत्त्वाकांक्षाएँ।

उपरोक्त कारणों ने उपनिवेशवाद को गति प्रदान की।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

9. भारत में गरीबी का बिंदुपथ (ठिकाना) ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों में स्थानांतरित हो रहा है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

The locus of poverty in India is shifting from rural to urban areas. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

गरीबी = सामाजिक व आर्थिक स्थिति जब व्यक्ति अपनी न्यूनतम भौतिक आवश्यकताओं की भी पूर्ति नहीं कर पाता है।

वर्तमान स्तर (भारत में) = तेंदुलकर समिति (2011) = 21.9%

MPI (2016) = 28%

* उपरोक्त के अलावा गरीबी का ठिकाना ग्रामीण से शहरी क्षेत्र में स्थानांतरित होना एक नवीन चुनौती को जन्म दे रहा है जैसे -

(i) प्रवसन (ग्रामीण → शहरी क्षेत्र) → रोजगार विहिनता का बढ़ना।

(ii) अनियोजित नगरीकरण → आधारिक सुविधाओं तक लोगों की पहुंच सीमित हो रही है।

(iii) चरम मौसमी घटनाएं, आपदाओं की बारंबारता में वृद्धि → आर्थिक नुकसान बढ़ने से लोगों का जीवन स्तर लगातार गिर रहा है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iv) उच्च कौशल की कमी / अभाव
→ रोजगार सृजन नहीं हो पा रहे हैं।

(v) बड़े शहरों में slums क्षेत्रों में हो रहा इजाफा।

(vi) अतिनगरीकरण के मिलते संकेत। इस कारण प्रतिनगरीकरण की मजबूत होती संभावना व प्रवृत्ति।

उपरोक्त बिंदु गरीबी के शहरी क्षेत्रों में भी अपने पाँव पसारने को इंगित कर रहे हैं।

यद्यपि वर्तमान में ग्रामीण गरीबी स्तर शहरी स्तर का लगभग दुगुना है, तथापि दोनों जगह इसे कम करने के प्रयासों को सशक्त किए जाने की आवश्यकता है।

प्रयास-

(i) योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन। जैसे NULM, NRLM, मनरेगा।

(ii) क्षमता निर्माण व कौशल विकास पर बल।

(iii) कृषि व MSME का विकास।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. भारत में जाति तथा आर्थिक असमानता के मध्य संबंध स्थापित कीजिये। जाति असमानता के उन्मूलन हेतु अभिकल्पित कुछ नीतिगत उपायों का वर्णन कीजिये। (150 शब्द) 10

Establish the relationship between caste and economic inequality in India. Describe some of the policy measures designed to address caste inequality. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जाति = एक सामाजिक संस्थान, जो जन्म आधारित प्रस्थिति, स्तरीकरण, जन्म से निर्धारित व्यवसाय, कुछ निर्धारित सामाजिक-सांस्कृतिक अपेक्षाएँ आदि तत्वों को धारण करता है।

जाति - आर्थिक असमानता -

(i) Monthly per capita expenditure के मामले में उच्च जातियों व निम्न जातियों के बीच औसतन (अखिल भारतीय स्तर) 6-10 गुना अंतर (NSSO)।

(ii) अधिक वेतन व तथाकथित रूप से उच्च कार्यों पर उच्च जातियों का प्रभुत्व। निम्न जातियों का अभी भी परंपरागत कार्यों में संलग्न रहना।

(iii) गाँवों में कई बार निम्न जाति के लोगों द्वारा संचालित दुकानों/उद्यमों से वस्तु न खरीदने की प्रवृत्ति → फलतः आर्थिक विषमता का और अधिक बढ़ना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(iv) जातिगत कठोरता के कारण आर्थिक गतिशीलता का ह्रास → परिस्थिति अनुकूल व्यवसाय न बदल पाने के कारण बढ़ते आर्थिक संकट के कारण आर्थिक असमानताओं का और गहरा जाना।

जाति असमानता उन्मूलन हेतु नीतिगत उपाय

(i) संवैधानिक उपबंध-

a. अनुच्छेद 15 = भेदभाव का निषेध।
अनुच्छेद 16: लोक नियोजन में अवसर की समानता।
अनुच्छेद 17 = अस्पृश्यता उन्मूलन।
आरक्षण का प्रावधान।

(ii) कानूनी उपबंध-

a. नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम (1955)
b. SC/ST अत्याचार निवारण अधिनियम (1989)

(iii) योजनागत उपाय

a. मनरेगा।
b. NRLM में 50% लाभार्थी SC/ST श्रेणी से

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

11. "भारत को स्मार्ट शहरीकरण की आवश्यकता है।" इस कथन के आलोक में भारत में शहरीकरण से संबंधित मुद्दों और चुनौतियों की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

"India needs smart urbanization". In light of this, discuss the issues and challenges associated with urbanization in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शहरीकरण = भौगोलिक दृष्टि से प्रशासन का आगमन केंद्र, वृहद जनसंख्या, कृषि से औद्योगीकरण तथा सेवा क्षेत्र की तरफ रूपांतरण, विभिन्न संस्कृतियों का समावेशन तथा शहरीय जीवन शैली को अपनाने की प्रक्रिया।

भारत में वर्तमान स्तर = कुल जनसंख्या का लगभग 31% भाग शहरी।

- 53 शहर 10 लाख या अधिक आबादी वाले।
- 2050 तक 50% जनसंख्या के शहरी होने का अनुमान।

स्मार्ट शहरीकरण = नियोजित, पर्यावरण अनुकूल, प्रबंधित, संसाधनों के दक्ष उपयोग व पुनर्वितरण, समावेशन तथा एकीकरण पर आधारित शहरीकरण।

भारत में शहरीकरण से संबंधित मुद्दे व चुनौतियाँ -

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ii) निरंतर प्रवसन के कारण अतिनगरीकरण → संसाधनों पर बढ़ता दबाव। संसाधनों का कुछ क्षेत्रों व लोगों में केन्द्रीकरण → बढ़ता असंतुलन।

iii) अनियोजित नगरीकरण → आपदाओं के प्रति बढ़ती सुभेद्यता जैसे 2015 में चेन्नई में बाढ़, जबकि 2019 में सूखा।

iiii) कृषि भूमि का नगरीय क्षेत्र में सम्मिलित होना → खाद्य सुरक्षा संकट बढ़ना।

iv) बढ़ता वायु, जल, मृदा प्रदूषण → स्वास्थ्य स्तर में गिरावट।

v) आवास सुविधाओं का अपर्याप्त सिद्ध होना → slums का बढ़ता क्षेत्र।

vi) बढ़ती गरीबी व बेरोजगारी की मात्रा। संधारणीय विकास को क्षति।

vii) जलीय व स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्रों का ह्रास → पर्यावरण - विकास संघर्ष का गंभीर हो जाना।

viii) मात्रात्मक रूप से शहरी जनसंख्या

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

में वृद्धि किंतु गुणात्मक रूप से जीवन स्तर में ह्रास।

(ix) अपर्याप्त आधारभूत संरचनाएँ

(x) बढ़ता नागरीय आतंकवाद।
Data / साक्ष्य आधारित नीति निर्माण का अभाव।

प्रयास -

(i) स्मार्ट सिटी मिशन, AMRUT मिशन।

(ii) प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)

(iii) नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर बल।

(iv) स्वच्छता अभियान।

(v) प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, SANKALP, STRIVE।

(vi) NULM, शिक्षा व्यवस्था को उन्नत बनाने पर बल।

अन्य उपाय -

(i) डिजिटलीकरण बढ़ाना; Data पहुँच, Data processing आदि पर बल।

(ii) परंपरागत व स्थानीय ज्ञान का उपयोग। जैसे जल संचयन।

(iii) पूँजी व क्षमता निर्माण पर बल। ताकि SDG 8, 9, 13 को प्राप्त किया जा सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. भारत में अंतर्देशीय जल परिवहन की चुनौतियाँ तथा संभावनाएँ क्या हैं? अंतर्देशीय जल परिवहन के प्रोत्साहन हेतु सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का विस्तृत विवरण भी प्रस्तुत कीजिये। (250 शब्द) 15

What are the challenges and prospects of inland water transport in India? Also, enumerate the measures taken by the government to promote inland water transport. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अंतर्देशीय जल परिवहन = राष्ट्र / क्षेत्र के भीतर नदी, नहर, झील आदि संरचनाओं का प्रयोग कर परिवहन व्यवस्था का संचालन करना।

जैसे USA मिसीसिपी लॉरेंस नदी मार्ग
भारत में बकिंघम नहर।

चुनौतियाँ -

(i) नदियों में जल की मात्रा में अत्यधिक उतार-चढ़ाव।
(ii) नदी गाद, सिल्ट की समस्या।
(iii) अनियमित मानसूनी वर्षा
(iv) नदी पर बने पुलों की कम ऊंचाई।
(v) नदी जल का राज्य सूची विषय होने से केन्द्र-राज्य निर्णयों का प्रश्न, तालमेल का अभाव।
(vi) विभिन्न राज्यों के बीच नदी जल विवाद। जैसे कावेरी मामला।
(vii) अपर्याप्त आधारिक संरचनाएँ। जैसे डॉकयार्ड, नदी किनारे गोदाम

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

स्थानों तक सड़क, रेल परिवहन का अभाव।

(viii) अपर्याप्त तकनीकी Data का अभाव।

(ix) पर्याप्त कुशल श्रम का अभाव।

संभावनाएं -

(i) परिवहन का नया क्षेत्र → सड़क व रेल परिवहन पर दबाव कम होगा।

(ii) लागत कम → दक्षता बढ़ेगी, प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी।
जैसे प्रतिटन प्रति km माल की लागत (WB) -

सड़क = 2.5 रु.
रेल = 1.5 रु.
जल = 1.2 रु.

(iii) कम ईंधन की आवश्यकता → प्रदूषकों का कम उत्सर्जन, CAD भी कम होगा।

(iv) नए रोजगार अवसरों का सृजन

(v) जलपोत निर्माण व मरम्मत सेक्टर का विकास संभव।

(vi) निवेश आकर्षित करने में मदद।

(vii) व्यवस्था संचालन हेतु रिवर्सइनफ्रास

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

को बढ़ावा मिलेगा, तकनीकी विकास होगा।

किए गए प्रयास -

i) राष्ट्रीय अंतर्देशीय जलमार्ग अधिनियम (2016) द्वारा 111 जलमार्गों को राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किया जाना।

ii) नियामक स्तर पर राष्ट्रीय जलमार्ग विकास प्राधिकरण का गठन।

iii) जलमार्ग विकास योजना (WH-I) द्वारा RO-RO सेवा आदि के विकास के प्रयत्न।

(iv) नदी सूचना प्रणाली द्वारा Data Managment।

(v) हाल ही में वाराणसी में freight village का आरंभ (भारत का पहला freight village) जिससे inter operability बढ़ेगी।

(vi) सागरमाला कार्यक्रम द्वारा बंदरगाहों से जुड़ाव को बढ़ाना।

(vii) costal Economic zones के निर्माण द्वारा गति प्रदान करना।

उपरोक्त प्रयासों से हम
दोनाक को ... [illegible]

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. प्रथम विश्व युद्ध ने भारत को गहन रूप से वैश्विक घटनाओं से संबद्ध किया, जिसके दूरगामी परिणाम हुए। उचित उदाहरण देकर विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

World War I linked India to global events in profound ways with far reaching consequences. Discuss by giving suitable examples. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यूरोपीय पृष्ठभूमि पर शुरू हुआ प्रथम विश्व युद्ध यद्यपि रूप में संपूर्ण विश्व को प्रभावित करने की क्षमता लिए हुए था। भारत के संदर्भ में भी इसने इसी प्रवृत्ति को दर्शाया।

प्रथम विश्व युद्ध द्वारा भारत को वैश्विक घटनाओं से जुड़ना व दूरगामी परिणाम

(i) आयरलैण्ड के होमरूल आंदोलन से प्रेरणा → तिलक व ऐनीबिसेंट द्वारा भारत में होमरूल आंदोलन का प्रारंभ व विकास → गाँधीजी के लिए मार्ग तैयार हुआ।

(ii) ब्रिटेन द्वारा भारत से पूँजी का निर्गमन → भारतीय पूँजीपतियों को प्रोत्साहन मिला → भारतीय पूँजीपति आगे के राष्ट्रीय आंदोलनों में सम्मिलित हुआ।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(iii) भारतीय सैनिकों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय युद्धों में भागीदारी → स्वतंत्रता, समानता के भावों ने देश में भी जागृति फैलाई।

(iv) गाँधीजी व अन्य द्वारा प्रारंभ में अंग्रेजों के समर्थन का दृष्टिकोण, किंतु बदले में मिला- रॉलेट एक्ट → अंग्रेज विरोध प्रबल हुआ।

(v) तुर्की मामले से खिलाफत आंदोलन का जन्म → भारत में हिन्दू-मुस्लिम एकता को गति मिली। राष्ट्रीय आंदोलन का जनाधार बढ़ा।

(vi) विल्सन के 14 सूत्रों (1918) से भारतीय भी प्रभावित हुए → स्वायत्तता की माँग जोर पकड़ने लगी। इसने भारतीय राष्ट्रवाद को बढ़ाया।

(vii) भारतीय अर्थव्यवस्था का अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था से जुड़ाव बढ़ा। जैसे निर्यात, पूंजी

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

निवेश कालांतर में आर्थिक मंदी ने भी भारत को दुष्प्रभावित किया। फलत: अंग्रेज विरोधी भावना प्रबल हुई।

(viii) फ्रांस, ब्रिटेन, काबुल, जापान में क्रांतिकारियों द्वारा नए संगठनों की स्थापना → भारत में भी क्रांतिकारी गतिविधियों को बल मिला।

(ix) USSR में साम्यवादी क्रांति → भारत में भी समाजवाद का प्रसार बढ़ा। जिसका प्रभाव न केवल ब्रिटिश सरकार की नीति, बल्कि INC पर भी पड़ा। जैसे CSP का गठन।

अत: सारांशत: WW-I ने भारत में अनेक दूरगामी परिणाम उत्पन्न कर राष्ट्रीय आंदोलन को प्रभावित किया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

14. दक्षिण अफ्रीकी प्रयोग ने महात्मा गांधी को कई परिप्रेक्ष्यों में भारतीय राष्ट्रीय संघर्ष के नेतृत्व के लिये तैयार किया। विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

The South African experiment prepared Mahatma Gandhi for leadership of the Indian national struggle in many respects. Discuss. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

1893 में महात्मा गाँधी वकालत के लिए दक्षिण अफ्रीका गए जहाँ भारतीयों के साथ भेदभाव, अमानवीय कार्यों, ने उन्हें नए प्रयोग व संघर्ष के मार्ग प्रदान किए; जिनका लाभ कालांतर में भारतीय राष्ट्रीय संघर्ष में भी मिला। जैसे-

(i) सीमित वर्गीय आंदोलन की बजाय जन आंदोलन विरोध की एक बेहतर व प्रभावी रणनीति है जैसे मताधिकार कानून का विरोध करने हेतु इसका प्रयोग। इस विधि ने गाँधीजी को लोक चेतना में पैठ बनाने की नई ~~विधि~~ युक्ति प्रदान की।

(ii) संघर्ष के दौरान ही कभी-2 पीछे भी हटना पड़ता है, ताकि पूर्ण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दमन को रोका जा सके व रचनात्मक कार्य भी किए जा सके। इसने संघर्ष- विराम- संघर्ष रणनीति को जन्म दिया।

(iii) मनुष्य की हृदय की पवित्रता पर बल तथा चर्चा, संताप की रणनीति जैसे अनिवार्य पंजीकरण बी. के विरोध में। इसने कालांतर में CDM, NCM को प्रेरित किया।

(iv) सत्याग्रह के प्रारंभिक प्रयोग दक्षिण अफ्रीका में हो (1910's)। इससे सत्याग्रह की शक्ति से गाँधीजी स्वयं भी अभिभूत हो गए तथा इसे मुख्य हथियार बनाया।

(v) गाँधीजी को सीख मिली कि कई बार समस्या को जड़ से सुलझाने व दीर्घकालीन हितों के लिए नेता को जन आकांक्षा, लहर के विपरीत भी निर्णय लेने पड़ते हैं। अतः ऐसे समय में कठोर कदम उठाने से हिचकिचाना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नहीं चाहिए रूसी को उन्होंने चौरी-चौरा काण्ड के बाद असहयोग आंदोलन की वापसी के रूप में व्यवहार रूप में आजमाया।

(vi) अहिंसा का पाठ → अहिंसा ही एकमात्र व अंतिम प्रबल शक्ति है।

(vii) जनता को आंदोलित करके लक्ष्य प्राप्ति के प्रयोग किए, जो वहाँ भी सफल रहे। भारत लौटने पर खेड़ा सत्याग्रह, चंपारण सत्याग्रह में भी इसके सफल प्रयोगों ने गांधीजी को भीत सर्वमान्य नेता बनाने में मदद की।

कहा जा सकता है कि दक्षिण अफ्रीका गांधीजी के लिए "अभ्यास मैदान" था, जिसके अनुभवों ने गांधीजी को भारतीय राष्ट्रीय संघर्ष का नेतृत्व करने योग्य बनाया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. "ब्रिटिश सरकार द्वारा समय-समय पर प्रस्तावित संवैधानिक सुधार हमेशा अधूरे व अत्यधिक देरी से होते थे।" विशेष रूप से मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों के संबंध में विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

"Constitutional reforms introduced by the British government from time to time were always too little and too late". Discuss with special reference to Montagu-Chelmsford reforms. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ब्रिटिश सरकार द्वारा शासन को वैधता बनाए रखने, आंदोलनों को विभाजित व शांत करने के लिए समय-समय पर संवैधानिक सुधार प्रस्तावित किए जाते रहे। जैसे- 1861 का अधिनियम, 1909 का अधिनियम।

प्रथम विश्व युद्ध पश्चात स्वशासन की बढ़ती मांग, WW-I में भारतीय सहयोग, उग्र होते आंदोलन को देखते हुए मांटेग्यू घोषणा (1917), मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड प्रस्ताव (1918) के बाद 1919 में मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार लाए गए।

प्रमुख प्रावधान -

ii) भारत सचिव की परिषद में संशोधन। जैसे निश्चित कार्यकाल।

iii) वायसराय की कार्यकारिणी में 3 भारतीयों को शामिल करना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iii) केंद्रीय विधानसभा व राज्य परिषद का गठन।

(iv) केंद्र सरकार द्वारा आपातकाल में अध्यादेश जारी करने की शक्ति।

(v) प्रांतों में द्वैध शासन।

(vi) प्रांतीय बजट का केन्द्रीय बजट से पृथक्करण।

<u>सुधारों की प्रकृति</u> -

(1) अधूरे -

a. प्रांतों में द्वैध शासन की कमियाँ
- निर्वाचित मंत्रियों का दोहरा उत्तरदायित्व।
- नौकरशाही पर भारतीय मंत्रियों का नियंत्रण नहीं।
- आरक्षित व हस्तांतरित विषयों का अनुचित विभाजन।
- भारतीय मंत्रियों के पास वित्तीय अधिकार नहीं।

b. प्रांतीय बजट अलग, परंतु 75% पर मंत्रियों को मतदान का अधिकार नहीं।

c. गवर्नर व गवर्नर जनरल की

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

निषेधाधिकारी शक्तियाँ किसी भी कानून को निरस्त कर सकती थी।

d. वास्तविक सत्ता हस्तांतरण को कोई मतदा न दिखाना।

e. प्रांतीय राजनीति को बढ़ावा देकर केंद्र पर अपने नियंत्रण को मजबूत करने की रणनीति।

(2) अत्यधिक देरी से -

a. सुधार माँगों से काफी पीछे चलते थे जैसे स्वशासन की माँग 1905 से, परंतु 1909 के Act में कोई प्रावधान नहीं, नहीं 1919 के Act में।

b. प्रथम विश्व युद्ध समाप्ति के पश्चात भी ब्रिटिश पहल न होकर राष्ट्रीय दबाव के कारण सुधारों को लाया जाना।

c. सुधारों के प्रति Proactive की बजाय Reactive प्रकार का दृष्टिकोण।

वस्तुतः ब्रिटिश सरकार की औपनिवेशिक देरी प्रवृत्ति के मूल लक्ष्य को इस प्रकार की प्रकृति का कारण माना जाना चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

अन्य

16. फासीवादी शक्तियों के तुष्टिकरण की पश्चिमी नीति द्वितीय विश्व युद्ध का कारण बनी। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

Western policy of appeasement of the fascist powers caused the Second World War. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

द्वितीय विश्व युद्ध न केवल अपने विस्तार प्रभाव बल्कि कारणों को लेकर भी चर्चा का विषय बना देता है। इसी संदर्भ में एक कारण फासीवादी शक्तियों के तुष्टिकरण की पाश्चिमी नीति को भी माना जाता है। यथा -

(i) लोकार्नो संधि (1925) में जर्मनी को शामिल करना भी इसी नीति का एक भाग था, ताकि उसके बढ़ते असंतोष को कम किया जा सके। इसने वर्साय संधि को तोड़ दिया तथा जर्मनी को पूर्वी दिशा में विस्तार की छूट दे दी।

(ii) 1935 में ब्रिटेन - जर्मनी समझौता कि जर्मनी अपना सैन्यकरण कर सकता है। ब्रिटेन का दृष्टिकोण कि इससे जर्मनी की उसके प्रति शत्रुता कम होगी। किंतु इससे जर्मनी पुनः सशक्त हुआ।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iii) इटली के एबीसीनिया पर आक्रमण, यूनान से क्षतिपूर्ति (कॉर्फू काण्ड) प्राप्त करने आदि कदमों की आलोचना न करने की पश्चिमी नीति ने उसकी साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा को बढ़ाया।

(iv) स्पेन के गृह युद्ध (1936) में जर्मनी व इटली द्वारा जनरल फ्रैंको को मदद, किन्तु पश्चिमी शक्तियों द्वारा निजी हितों को देखते हुए मदद उपलब्ध न कराना → इसने इटली, जर्मनी संबंधों को मजबूत बनाया।

(v) जापान के मंचूरिया आक्रमण (1931), चीन पर आक्रमण (1937) की आलोचना न करना → इससे जापान की महत्वाकांक्षा बढ़ी।

(vi) पश्चिमी शक्तियों की तुष्टीकरण की नीति → LON का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

का प्रभाव कम होता चला गया।

(vii) साम्यवाद के विरुद्ध जर्मनी व इटली का तुष्टीकरण → पोलैण्ड मामले को लेकर WW-II की शुरुआत।

तथापि तुष्टीकरण की नीति एक कारण थी एकमात्र नहीं।

अन्य कारण –

(i) LON का कमजोर संस्थागत ढांचा

(ii) आर्थिक मंदी के कारण पूंजीवाद को धक्का। फासीवाद को बल।

(iii) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की प्रवृत्तियों का विफल होते जाना। जैसे निरस्त्रीकरण सम्मेलन (1933)।

(iv) वैचारिक संघर्ष का बढ़ना।

(v) पेरिस सम्मेलन से इटली आदि का मोहभंग हो जाना। आदि।

उपरोक्त संदर्भ में WW-II के बहुआयामी कारणों को समझा जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. राज्यों के भाषाई पुनर्निर्माण ने भारत की एकता को गंभीर रूप से कमज़ोर किये बिना इसके राजनीतिक मानचित्र को तर्कसंगत रूप प्रदान किया। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

The linguistic reorganization of states resulted in rationalizing the political map of India without seriously weakening its unity. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

स्वतंत्रता पश्चात भारत में क्षेत्रों के पुनर्संगठन का मुद्दा एक गंभीर समस्या बन कर उभरा। अनेक क्षेत्रों द्वारा भाषाई आधार पर पुनर्गठन की मांग की जाने लगी।

संभावित हानि - a. एक क्षेत्र में अनेक भाषा के लोगों का रहना → व्यावहारिकता कम।

b. आपसी संघर्ष बढ़ सकते हैं।

c. आंतरिक विभाजन स्वतंत्रता के मूल लक्ष्यों को ही समाप्त कर देगा।

उपाय -

(i) धर आयोग (1948): केवल भाषायी आधार पर पुनर्गठन न हो।

(ii) JVP समिति (1949): धर आयोग का समर्थन।

(iii) भाषायी पुनर्गठन अधिनियम (1956): भाषा व अन्य कारकों - राजनीतिक, आर्थिक, प्रशासनिक को ध्यान में रखते हुए 14 राज्य व 6 UTs का निर्माण।

महत्व -

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ii) यद्यपि वृहद् भाषायी क्षेत्र राज्य के रूप में संगठित किए गए। परंतु एक ही क्षेत्र में अभी भी भिन्न-2 भाषी लोग थे जैसे मराठी व गुजराती

iii) राज्यों का भाषायी पुनर्निर्माण →
तात्कालिक राज्य संगठन की आवश्यकता पूर्ण हुई। अन्यथा विद्रोह, संघर्ष बढ़ सकते थे।

iiii) ~~केंद्रीय रियासतों की पाकिस्तान~~
राज्य प्रशासनिक तंत्र अपेक्षाकृत अधिक मजबूत हुआ। इससे चुनाव आदि प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक संपादित कराया जा सका।

iv) लोगों की भावनाओं का भी सम्मान रखा गया → राष्ट्र निर्माण में एकीकरण को गति मिली।

v) विभिन्न इकाइयों में विभाजन ने कालांतर में राष्ट्र से अलगाववाद की भावना को समाप्त कर दिया। यद्यपि स्वायत्तता की मांगें चलती रही।

vi) भाषायी पुनर्गठन → अनेक छोटे-2

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

राज्यों की तुलना में वृहद क्षेत्रों का उद्भव संभव हुआ → पाश्चिमी राष्ट्रों के अनुमान कि भारत अपनी विविधता के कारण बिखर जाएगा, गलत सिद्ध हुआ।

सीमाएं -

(i) कालांतर में पुनः भाषायी विभाजन की माँग जोर पकड़ने लगी जैसे 1960 में महाराष्ट्र व गुजरात का निर्माण।

(ii) भूमि पुत्र संकल्पना का उभार व विकास।

(iii) राजभाषा राजकीय भाषा का मुद्दा और जटिल बन गया।

(iv) क्षेत्रीयता को प्रोत्साहन।

तथापि आरंभिक समय में न केवल तात्कालिक आवश्यकताओं की पूर्ति की, बल्कि एकीकरण व पुनः विभाजन रोकने में भी मदद की।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

18. यदि निजी क्षेत्र को शुरुआत से ही एक स्वतंत्र भागीदारी की अनुमति प्रदान की जाती, तो भारत अधिक बेहतर विकास कर सकता था। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Had private sector been allowed a free play right from the beginning, India could have developed much better. Critically analyse. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

स्वतंत्रता पश्चात भारत ने विकास की २ रणनीतियों - पूँजीवाद व समाजवाद में से समाजवादी झुकाव + पूँजीवाद के कुछ लक्षण युक्त रणनीति का पालन किया।

अगर निजी क्षेत्र को स्वतंत्र भागीदारी की अनुमति प्रदान की जाती तो -

(i) उस समय संसाधनों का अभाव था → निजी क्षेत्र बेहतर दक्षता, प्रतिस्पर्धा से कार्य कर संसाधनों के कुशलतम उपयोग को सुनिश्चित कर सकता था।

(ii) प्रतिस्पर्धा में वृद्धि होती → नवाचार को बढ़ावा मिलता।

(iii) आयात प्रतिस्थापन की बजाय निर्यात में वृद्धि कर भुगतान संतुलन की रणनीति अपनाई जा सकती थी इससे विदेशी मुद्रा भण्डार भी बढ़ता, जो कि 1991 के संकट को भी टाल सकता था।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iv) भारत को USA, फ्रांस आदि देशों से पर्याप्त मदद मिल सकती थी, पूंजी निवेश हो सकता था तथा एक वृहद बाजार भी उपलब्ध हो सकता था → इससे आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि से रोजगार के अवसर भी बढ़ते तथा राष्ट्रीय आय में भी वृद्धि होती।

(v) शिक्षा, कौशल विकास, SPA नेतृत्व जैसे तत्व, जो कि तत्कालीन सरकारों में उपेक्षित रहे, निजी भागीदारी की स्वतंत्रता इन्हें मुख्य धारा से जोड़ विकसित कर सकती थी, जो वर्तमान की अनेक समस्याओं का हल भी हो सकती थी।

(vi) सरकार पर भी दबाव कम होता। सरकार नियमन व प्रबंधन का कार्य कर भूमिका निर्वहन कर सकती थी। अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था से जुड़ाव भारत की सुभेद्यता को कम करने में मददगार सिद्ध हो सकता था।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सीमाएँ -

i) संसाधनों के केन्द्रीकरण की प्रवृत्ति और प्रबल हो जाती → असंतुलन में भारी वृद्धि हो सकती थी।

ii) पाश्चिमी राष्ट्रों का भारत पर प्रभाव बढ़ना → भारत की राजनीतिक स्वायत्तता प्रभावित होती। NAM, पंचशील सिद्धांत मात्र सैद्धांतिक रह जाती।

iii) निजी क्षेत्रक द्वारा केवल कुछ ही आर्थिक क्षेत्रकों - उद्योग, सेवा का विकास किया जाता → कृषि, पशुपालन जैसे क्षेत्र और पिछड़ जाते।

iv) राज्यों के बीच असमानता बढ़ जाती। पर्यावरणीय क्षति को बढ़ावा मिलना।

वस्तुतः भारत द्वारा इसी कारण सीमित पूँजीवाद के साथ समाजवादी झुकाव का अनुसरण किया गया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

19. वैश्वीकरण ने राज्यों की भूमिका को परिवर्तित किया है। विकासशील देशों के संबंध में इसके प्रभावों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

Globalisation has changed the role of State. Critically evaluate its impact in the context of developing countries. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वैश्वीकरण = पूँजी, श्रम, तकनीक के स्वतंत्र आवागमन के कारण विभिन्न राष्ट्रों की अर्थव्यवस्था व समाजों की पारस्परिक अंतर्निर्भरता, अंतर्सम्बद्धता का और भी अधिक व्यापक, तीव्र व गहरा होते जाना।

वैश्वीकरण के वर्तमान युग ने न केवल व्यक्ति बल्कि राज्य की भूमिका को भी प्रभावित किया है।

विकासशील देशों पर वैश्वीकरण के प्रभाव

सकारात्मक - (i) वैश्वीकरण के कारण लोगों में अधिकारों के प्रति बढ़ती जागरूकता → राज्य के निरंकुशतावादी स्वरूप का कमजोर होना।

(ii) नीति निर्देशक तत्वों / आधारभूत आवश्यकताओं के प्रति बढ़ती जागरूकता व मांग → राज्य के लोककल्याणकारी स्वरूप में वृद्धि।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iii) गरीबी, बेरोजगारी दूर करने हेतु केन्द्र व राज्य को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता महसूस हो रही है → सहकारी संघवाद को गति।

(iv) स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु स्थानीय उपायों पर बल → विकेन्द्रीकरण को प्रोत्साहन।

(v) आतंकवाद, साइबर सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन आदि समस्याओं से विकसित राष्ट्रों को भी समस्याएँ उत्पन्न होना → विकासशील देशों की आवाज अधिक मजबूत हुई है। उत्तर-दक्षिण संवाद बढ़ा है।

नकारात्मक -

(i) वैश्वीकरण में वृद्धि से पाश्चात्य संस्कृति व मूल्यों - उपभोक्तावाद आदि का प्रसार → स्थानीय संस्कृति के लोप का खतरा बढ़ता जा रहा है।

(ii) ~~विकासशील~~ देशों की राजनीति पर बाह्य का बढ़ता नियंत्रण → राजनीतिक स्वायत्तता का कमजोर होना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iii) विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था का पाश्चिमी MNCs पर निर्भर होते जाना → देश के भीतर गरीबी व बेरोजगारी का बढ़ना, आर्थिक संकटों के प्रति सुभेद्यता बढ़ना।

(iv) प्रवसन के कारण Brain drain की समस्या।

(v) देश के भीतर असंतुलित विकास को बढ़ाता → केन्द्र-राज्य, राज्य-राज्य तनाव में वृद्धि, क्षेत्रीयता, भूमिपुत्र संकल्पना का बढ़ना।

वैश्वीकरण द्वारा राज्य भूमिका में परिवर्तन

(i) नियंत्रण कर्ता की जगह नियमन कर्ता की भूमिका।

(ii) राज्य के प्रत्यक्ष सुविधा उपलब्ध कराने की जगह माहौल को सुधारने, अच्छी कार्यसंस्कृति के विकास की भूमिका पर बल।

(iii) समाजवादी भूमिका का ह्रास।

(iv) अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में अलगाव की जगह जुड़ाव पर बल।

(v) समस्याओं के प्रति Reactive की बजाय Proactive approach पर बल। जैसे आतंकवाद आदि।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

20. लैंगिक न्याय उतना ही महत्त्वपूर्ण है जितनी की धार्मिक स्वतंत्रता। भारत की हाल की गतिविधियों के संदर्भ में विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Gender justice is as important as religious freedom. Analyse in the context of recent developments in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

लैंगिक न्याय = लिंग आधारित भेदभावों, पूर्वाग्रहों, निषेधों को समाप्त करना, महिलाओं को समान पहुँच प्रदान करना तथा बाधाओं को दूर करना।

धार्मिक स्वतंत्रता = व्यक्ति/समूह की किसी पंथ/धर्म/मान्यता को मानने, अभ्यास आचरण करने, प्रसारित करने का अधिकार।

भारतीय संविधान में दोनों तत्वों को मूलाधिकार के रूप में शामिल किया गया है।

परंतु कई बार धार्मिक स्वतंत्रता के नाम पर सुधारों (सामाजिक व धार्मिक) का विरोध करने की प्रवृत्ति भी दिखती है।

परंतु ~~तथापि~~ लैंगिक न्याय भी उतना ही महत्वपूर्ण है क्योंकि-

(i) धर्म आंतरिक जीवन का भाग है जो ~~किसी~~ पुरुष व स्त्री दोनों पर लागू होता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ii) कई धर्मों की प्रचलित रूढ़ियां न केवल महिलाओं के विरुद्ध होती है, बल्कि उनके सामाजिक, आर्थिक जीवन को भी बहुत दुष्प्रभावित करती है जैसे तीन तलाक के पश्चात महिला का जीवन।

iii) धार्मिक रूढ़ियां व विभेद वर्तमान जीवन प्रणाली की आधुनिकता, तर्कशीलता से भी मेल नहीं खाती है।

iv) विभेदों के कारण विकास के लाभ से महिलाओं के रूप में समाज का एक बड़ा तबका पीछे रह जाता है, जो कि असंतुलन को बढ़ाकर संघर्षों को जन्म देता है।

(v) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार महिलाओं के लिए भी एक निजी मूलाधिकार है।

(vi) धार्मिक रूढ़िवादी बंधन पुरुष सत्तात्मक प्रवृत्ति को इंगित करते हैं, जो समन्वय, बंधुता की भावना को कमजोर करते हैं।

इसी संदर्भ में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पिछले कुछ समय में तीन तलाक को अवैध घोषित किए जाने, सबरीमाला मंदिर में महिलाओं को अनुमति दिए जाने, भ्रूणहत्या को सख्ती से रोकने जैसे कदमों या कार्य किया गया है ताकि लैंगिक न्याय सुनिश्चित किया जा सके।

वस्तुतः समाज के विकास हेतु दोनों पक्षों की आवश्यकता है। किसी एक का उल्लंघन संधारणीय, समावेशी, समन्वित विकास को प्रभावित करता है। अतः सामंजस्य व समावेशन की आवश्यकता है।

साथ ही परिवर्तनों को सफल बनाने हेतु जनता के बीच जागरूकता फैलाने, विकेंद्रीकृत रणनीति अपनाने की जरूरत है। तभी तर्क आधारित लैंगिक न्याय व विश्वास आधारित धार्मिक स्वतंत्रता दोनों को सुनिश्चित किया जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation